C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी A

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1×2=2) (2×3=6) 8

एक समय की बात एक गाँव में एक कुम्हार रहता था। एक दिन नशे की हालत में वह एक घड़े पर गिर गया और उसके माथे पर एक घाव लग गया। चिकित्सा के बाद भी उसके माथे पर एक निशान रह गया। कुछ समय के पश्चात देश में अकाल पड़ा और कुम्हार नौकरी की तलाश में अन्य देश में गया। राजा के महल में एक नौकरी मिल गई। राजा ने निशान देखकर सोचा कि कुम्हार एक अच्छा योद्धा रहा होगा। राजा उसे अतिरिक्त सम्मान देना शुरू कर दिया। एक दिन दुश्मन राज्य ने राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ा। राजा ने कुम्हार को अपनी सेना का नेतृत्व करने कहा, तब कुम्हार ने कहा मैं योद्धा नहीं था और निशान के बारे में कहानी बताई। राजा अपने अज्ञान के लिए शर्मिंदा थे।

1. कुम्हार को घाव कैसे लग गया?
2. कुम्हार अन्य देश क्यों गया?
3. कुम्हार को राजा के महल में कौन-सी नौकरी मिली? क्यों?
4. राजा ने कुम्हार को अतिरिक्त सम्मान देना क्यों शुरू कर दिया?
5. आपको यह गद्यांश पढ़कर क्या सीख मिलती है?

प्र. 2 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1×3=3)

कोशिश करने वालों की
लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आख़िर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
डुबकियां सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा जा कर खाली हाथ लौटकर आता है।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़ कर मत भागो तुम।
कुछ किये बिना ही जय जय कार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
हरिवंश राय 'बच्चन'

1. कवि के अनुसार जीवन में किसकी हार नहीं होती?
2. नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, तो किस समस्या का सामना करना पड़ ता है?
3. असफलता को क्या कहा गया है?

प्र. 3 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×2=4)

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सु-मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
यही पशु-प्रवृत्ति है कि आप-आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।
मैथिलीशरण गुप्त

1. 'सु-मृत्यु' से क्या आशय है?
2. हमें इस कविता से क्या संदेश मिलता है?

खंड - ख

प्र.4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

1. मेरे कमरे में एक पुरानी घडी है। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)
2. वह बाजार गया, क्योंकि उसे पुस्तकें खरीदनी थीं। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए।)
3. माता जी ने शीला को एक साड़ी दी। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए।)

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांक्ति पदों का परिचय दीजिए : 1x4=4

1. श्रेष्ठा अभी <u>नौंवी</u> कक्षा में है।
2. राम <u>पुस्तक</u> पढ़ेगा।
3. वह नित्य घूमने जाता है।
4. राजेश <u>दूध</u> पी रहा था।

प्र. 6. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए : 1x4=4

1. मेरे कमरे में एक पुरानी घडी है। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)

2. राम बोला, मैं दिल्ली जा रहा हूँ। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)
3. वह बाजार गया, क्योंकि उसे पुस्तकें खरीदनी थीं। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए।)
4. घायल होने के कारण वह उड़ नहीं पाया भाववाच्य में बदलिए।

प्र. 7. निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए : 1x4=4

1. सिपाही ने चोर को पकड़ा। (कर्मवाच्य)
2. लड़कों द्वारा पतंग उड़ाई जा रही है। (कर्तृवाच्य में)
3. मैंने खाना खाया। (कर्मवाच्य में)
4. बच्चे खिलखिलाकर हँसते हैं। (भाववाच्य में)

प्र.8 निम्नांकित काव्यांशो में प्रयुक्त रस पहचानिए : 1x4=4

1. अँसुवन जल सिंची-सिंची प्रेम-बेलि बोई
   मीरा की लगन लागी, होनी हो सो होई
2. सीस पर गंगा हँसे, भुजनि भुजंगा हँसैं,
   हास ही को दंगा भयो नंगा केविवाह में। (पद्माकर)
3. 'मुख मुखाहि लोचन स्रवहि सोक न हृदय समाइ।
   मनहूँ करुन रस कटकई उत्तरी अवध बजाइ।।'(तुलसीदास)
4. 'बोरौ सवै रघुवंश कुठार की धार में बारन बाजि सरत्थहि।
   बान की वायु उड़ाइ कै लच्छन लक्ष्य करौ अरिहा समरत्थहिं।
   रामहिं बाम समेत पठै बन कोप के भार में भूजौ भरत्थहिं।
   जो धनु हाथ धरै रघुनाथ तो आजु अनाथ करौ दसरत्थहि'।
   (केशवदास की 'रामचन्द्रिका' से)

प्र.9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (2+2+1)

इसने उन्हें यश और प्रतिष्ठा तो बहुत दी, पर अर्थ नहीं और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक

विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

(क) मन्नू भंडारी के पिता की गिरती आर्थिक स्थिति का उन पर क्या प्रभाव पड़ा?
(ख) पहले इन्दौर में उनकी आर्थिक स्थिति कैसी रही होगी?
(ग) मन्नू के पिता का स्वभाव शक्की क्यों हो गया था?

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x4=8

1. खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?
2. फ़ादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी?
3. बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?
4. मन्नू भंडारी ने अपनी माँ के बारे में क्या कहा है?

प्र. 11. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में

वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

निम्नलिखित पदयांशों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. मुख्य गायक की आवाज तथा संगतकार की आवाज में क्या अंतर है?
2. मुख्य गायक के लिए संगतकार की क्या उपयोगिता है?
3. किन्हीं दो विशेषण शब्दों का उल्लेख कीजिए।

प्र.12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x4=8

1 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर भाव स्पष्ट कीजिए -
बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महा भटमानी॥
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥

2 मुख्य गायक को ढाढस कौन बँधाता है और क्यों?

3 कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है?

4 'छाया मत छूना' कविता में कवि ने छाया को छूने से मना क्यों किया हैं?

प्र.13 'आप चैन कि नींद सो सके इसीलिए तो हम यहाँ पहरा दें रहा है' - एक फौजी के इस कथन पर जीवन-मूल्यों कि दृष्टि से चर्चा कीजिए। 4

खंड - घ

प्र. 14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए : 10

- ग्लो बल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण)
- मित्रता

प्र. 15 बीमारी के कारण परीक्षा न दे सकने पर प्रधानाचार्य को चिकित्सा-अवकाश के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए। 5

अथवा

रुपये मँगवाने के लिए पिताजी को पत्र लिखिए। 5

प्र. 16 निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

ठंड के किए प्रयोग किए जानेवाले गरम कपड़ों का विज्ञापन तैयार कीजिए।

C.B.S.E Board

कक्षा : 10

हिंदी A

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1×2=2) (2×3=6) 8

एक समय की बात एक गाँव में एक कुम्हार रहता था। एक दिन नशे की हालत में वह एक घड़े पर गिर गया और उसके माथे पर एक घाव लग गया। चिकित्सा के बाद भी उसके माथे पर एक निशान रह गया। कुछ समय के पश्चात देश में अकाल पड़ा और कुम्हार नौकरी की तलाश में अन्य देश में गया। राजा के महल में एक नौकरी मिल गई। राजा ने निशान देखकर सोचा कि कुम्हार एक अच्छा योद्धा रहा होगा। राजा उसे अतिरिक्त सम्मान देना शुरू कर दिया। एक दिन दुश्मन राज्य ने राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ा। राजा ने कुम्हार को अपनी सेना का नेतृत्व करने कहा, तब कुम्हार ने कहा मैं योद्धा नहीं था और निशान के बारे में कहानी बताई । राजा अपने अज्ञान के लिए शर्मिंदा थे।

1. कुम्हार को घाव कैसे लग गया?

उत्तर : एक दिन नशे की हालत में कुम्हार एक घड़े पर गिर गया और उसके माथे पर घाव लग गया।

2. कुम्हार अन्य देश क्यों गया?

उत्तर : देश में अकाल पड़ने के कारण नौकरी की तलाश में कुम्हार अन्य देश गया।

3. कुम्हार को राजा के महल में कौन-सी नौकरी मिली? क्यों?

उत्तर : कुम्हार को राजा के महल में योद्धा की नौकरी मिली। क्योंकि राजा ने कुम्हार के माथे पर लगा निशान देखकर सोचा कि कुम्हार एक अच्छा योद्धा रहा होगा।

4. राजा ने कुम्हार को अतिरिक्त सम्मान देना क्यों शुरू कर दिया?

उत्तर : राजा ने कुम्हार के माथे पर लगा निशान देखकर सोचा कि कुम्हार एक अच्छा योद्धा रहा होगा। इसी वजह से उन्होंने कुम्हार को अतिरिक्त सम्मान देना शुरू कर दिया।

5. आपको यह गद्यांश पढ़कर क्या सीख मिलती है?

उत्तर : यह गद्यांश पढ़कर यह सीख मिलती है कि हमेशा पूरी सच्चाई जान लेनी चाहिए क्योंकि जरुरी नहीं हर बार जैसा दिखता है वैसा हो।

प्र. 2 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1´3=3)

कोशिश करने वालों की
लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।

आख़िर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
डुबकियां सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा जा कर खाली हाथ लौटकर आता है।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़ कर मत भागो तुम।
कुछ किये बिना ही जय जय कार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
हरिवंश राय 'बच्चन'

1. कवि के अनुसार जीवन में किसकी हार नहीं होती?
   उत्तर : कवि के अनुसार जीवन में कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

2. नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, तो किस समस्या का सामना करना पड़ ता है?
   उत्तर : नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, तब दीवारों पर सौ बार फिसलती है।

3. असफलता को क्या कहा गया है?
   उत्तर : असफलता को एक चुनौती कहा गया है।

प्र. 3 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×2=4)

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सु-मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
यही पशु-प्रवृत्ति है कि आप-आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।
मैथिलीशरण गुप्त

1. 'सु-मृत्यु' से क्या आशय है?

उत्तर : प्रत्येक मनुष्य समयानुसार अवश्य मृत्यु को प्राप्त होता है क्योंकि जीवन नश्वर है। इसलिए मृत्यु से डरना नहीं चाहिए बल्कि जीवन में ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे उसे बाद में भी याद रखा जाए। उसकी मृत्यु व्यर्थ न जाए। जो केवल अपने लिए जीते हैं वे व्यक्ति नहीं पशु के समान हैं। जो मनुष्य सेवा, त्याग और बलिदान का जीवन जीते हैं और किसी महान कार्य की पूर्ति के लिए अपना जीवन समर्पित कर देते हैं, उनकी मृत्यु सुमृत्यु कहलाती हैं।

2. हमें इस कविता से क्या संदेश मिलता है?

उत्तर : कविता के माध्यम से कवि मानवता, प्रेम, एकता, दया, करुणा, परोपकार, सहानुभूति, सद्भावना और उदारता से परिपूर्ण जीवन जीने का संदेश देना चाहता है। मनुष्य दूसरों के हित का ख्याल रख सकता है। इस कविता का प्रतिपाद्य यह है कि हमें मृत्यु से नहीं डरना चाहिए और परोपकार के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए तप्तर रहना चाहिए।

खंड - ख

प्र.4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

1. मेरे कमरे में एक पुरानी घडी है। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)
   उत्तर : मेरे कमरे में जो घडी है, वह पुरानी है।
2. वह बाजार गया, क्योंकि उसे पुस्तकें खरीदनी थीं। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए।)
   उत्तर : संयुक्त वाक्य
3. माता जी ने शीला को एक साड़ी दी। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए।)
   उत्तर : सरल वाक्य

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांक्ति पदों का परिचय दीजिए : 1x4=4

1. श्रेष्ठा अभी <u>नौंवी</u> कक्षा में है।
   उत्तर : निश्चित संख्यावाचक विशेषण, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कक्षा विशेष्य

2. राम <u>पुस्तक</u> पढ़ेगा।
   उत्तर : जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

3. वह नित्य घूमने जाता है।
   उत्तर : कालवाचक क्रियाविशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

4. राजेश <u>दूध</u> पी रहा था।
   उत्तर : जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक

प्र. 6. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए : 1x4=4

1. मेरे कमरे में एक पुरानी घडी है। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)
   उत्तर : मेरे कमरे में जो घडी है, वह पुरानी है।

2. राम बोला, मैं दिल्ली जा रहा हूँ। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)
   उत्तर : राम कहा कि वह दिल्ली जा रहा है।

3. वह बाजार गया, क्योंकि उसे पुस्तकें खरीदनी थीं। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए।)
   उत्तर : संयुक्त वाक्य

4. घायल होने के कारण वह उड़ नहीं पाया भाववाच्य में बदलिए।
   उत्तर : घायल होने के कारण उससे उड़ा नहीं गया।

प्र. 7. निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए : 1x4=4

1. सिपाही ने चोर को पकड़ा। (कर्मवाच्य)
   उत्तर : सिपाही द्वारा चोर पकड़ा गया।

2. लड़कों द्वारा पतंग उड़ाई जा रही है। (कर्तृवाच्य में)
   उत्तर : लड़के पतंग उड़ा रहे हैं।

3. मैंने खाना खाया। (कर्मवाच्य में)
   उत्तर : मुझसे खाना खाया गया।

4. बच्चे खिलखिलाकर हँसते हैं। (भाववाच्य में)
   उत्तर : बच्चों के द्वारा खिलखिलाकर हँसा जाता है।

प्र.8 निम्नांकित काव्यांशो में प्रयुक्त रस पहचानिए : 1x4=4

1. अँसुवन जल सिंची-सिंची प्रेम-बेलि बोई
   मीरा की लगन लागी, होनी हो सो होई
   उत्तर : भक्ति रस

2. सीस पर गंगा हँसे, भुजनि भुजंगा हँसैं,
   हास ही को दंगा भयो नंगा केविवाह में। (पद्माकर)
   उत्तर : हास्य रस

3. 'मुख मुखाहि लोचन स्रवहि सोक न हृदय समाइ।
   मनहूँ करुन रस कटकई उत्तरी अवध बजाइ।।'(तुलसीदास)
   उत्तर : करुण रस

4. 'बोरौ सवै रघुवंश कुठार की धार में बारन बाजि सरत्थहि।
   बान की वायु उड़ाइ कै लच्छन लक्ष्य करौ अरिहा समरत्थहिं।
   रामहिं बाम समेत पठै बन कोप के भार में भूजौ भरत्थहिं।
   जो धनु हाथ धरै रघुनाथ तो आजु अनाथ करौ दसरत्थहि'।
   (केशवदास की 'रामचन्द्रिका' से)
   उत्तर : रौद्र रस

प्र.9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : (2+2+1)

इसने उन्हें यश और प्रतिष्ठा तो बहुत दी, पर अर्थ नहीं और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-

थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

(क) मन्नू भंडारी के पिता की गिरती आर्थिक स्थिति का उन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर : मन्नू भंडारी के पिता की गिरती आर्थिक स्थिति ने उनके पिता को अहंवादी, क्रोधी, शक्की और अन्तर्मुखी बना दिया था।

(ख) पहले इन्दौर में उनकी आर्थिक स्थिति कैसी रही होगी?

उत्तर : पहले इंदौर में उनकी आर्थिक स्थिति बड़ी अच्छी थी क्योंकि उनके पिता कांग्रेस के साथ जुड़े होने के साथ समाज-सुधार के कार्य भी किया करते थे। कई बच्चों को मुफ्त में पढ़ाया करते थे और काफ़ी दरियादिल थे।

(ग) मन्नू के पिता का स्वभाव शक्की क्यों हो गया था?

उत्तर : मन्नू भंडारी के पिता का स्वभाव अपने ही लोगों द्वारा विश्वासघात किए जाने के करण शक्की हो गया था।

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x4=8

1. खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?

उत्तर : बालगोबिन भगत एक गृहस्थ थे परन्तु उनमें साधु कहलाने वाले गुण भी थे -

(1) कबीर के आर्दशों पर चलते थे, उन्हीं के गीत गाते थे। वे शरीर को नश्वर तथा आत्मा को परमात्मा का अंश मानते थे।

(2) कभी झूठ नहीं बोलते थे, खरा व्यवहार रखते थे।
(3) किसी से भी सीधी बात करने में संकोच नहीं करते थे, न किसी से झगड़ा करते थे।
(4) किसी की चीज़ नहीं छूते थे न ही बिना पूछे व्यवहार में लाते थे। वे किसी दूसरे की चीज़ नहीं लेते थे।
(5) उनके खेत में जो कुछ पैदा होता उसे एक कबीरपंथी मठ में ले जाते और उसमें से जो हिस्सा 'प्रसाद' रूप में वापस मिलता, वे उसी से गुज़ारा करते।
(6) उनमें लालच बिल्कुल भी नहीं था। इस प्रकार वे अपना सब कुछ इश्वर को समर्पित कर देते थे।

2. फ़ादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी?

उत्तर : फ़ादर बुल्के मानवीय करुणा से ओतप्रोत विशाल ह्रदय वाले और सभी के कल्याण की भावना रखने वाले महान व्यक्ति थे। देवदार का वृक्ष आकार में लंबा-चौड़ा होता है तथा छायादार भी होता है।

फ़ादर बुल्के का व्यक्तित्व भी कुछ ऐसा ही है। जिस प्रकार देवदार का वृक्ष लोगों को छाया देकर शीतलता प्रदान करता ठीक उसी प्रकार फ़ादर बुल्के भी अपने शरण में आए लोगों को आश्रय देते थे।

हर व्यक्ति उनसे सहारा और स्नेह पा सकता था तथा दु:ख के समय में सांत्वना के वचनों द्वारा उनको शीतलता प्रदान करते थे।

3. बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

उत्तर : मांगलिक विधि.विधानों के अवसर पर शहनाई बजाई जाती है। पारंपरिक अवधी लोकगीतों एवं चैती में शहनाई का उल्लेख बार-बार मिलता है। वजह शहनाई को मंगल का परिवेश

प्रतिष्ठित करने वाला वाद्य माना जाता है। उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ शहनाई वादन के क्षेत्र में अद्वितीय स्थान रखते हैं। इसी वाद्य में निपुणता के कारण वह भारत रत्न से सम्मानित हुए। इन्हीं कारणों के वजह से बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक कहा गया है।

4. मन्नू भंडारी ने अपनी माँ के बारे में क्या कहा है?

उत्तर : लेखिका की माँ धैर्य और सहनशक्ति में धरती से कुछ ज्यादा थी। इन्होंने कभी अपने पति और बच्चों के समक्ष आवाज नहीं उठाई। सदा पिता के कोप का भाजन रहीं। गलती न होने पर भी उनके व्यवहार की कठोरता को झेलती और चुप रहती। उनके लिए घर तथा परिवार ही सबकुछ था। स्वयं का कोई अस्तित्व नहीं था। इसलिए वह लेखिका के लिए कभी आदर्श पात्र नहीं रही।

प्र. 11. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2+2+1)

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज़ सुंदर कमजोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से

निम्नलिखित पदयांशों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. मुख्य गायक की आवाज तथा संगतकार की आवाज में क्या अंतर है?

उत्तर : मुख्य गायक की आवाज अधिक दमदार तथा मनभाव होती है तथा संगतकार की आवाज कमजोर होती है। उसकी आवाज में सुर का पूरा उतार-चढाव दिखाई नहीं देता।

2. मुख्य गायक के लिए संगतकार की क्या उपयोगिता है?

उत्तर : मुख्य गायक की आवाज जब थकने लगती है तो सहयोगी संगतकार की आवाज उसे शक्ति देती है।

3. किन्हीं दो विशेषण शब्दों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : 1. भारी, 2. कमजोर।

प्र.12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x4=8

1 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर भाव स्पष्ट कीजिए -

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महा भटमानी॥
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू॥

उत्तर : भावार्थ :- परशुराम जी की बातें सुनकर लक्ष्मणजी हँसकर कोमल वाणी से बोले - अहो, मुनीश्वर तो अपने को बड़ा भारी योद्धा समझते हैं। बार-बार मुझे कुल्हाड़ी दिखाते हैं। फूँक से पहाड़ उड़ाना चाहते हैं। काल को मेरे लिए हाँक लगा-लगाकर बुलाते हो अर्थात् मेरी मृत्यु को बुला रहे हैं।

2 मुख्य गायक को ढाढस कौन बँधाता है और क्यों?

उत्तर : तारसप्तक में गायन करते समय मुख्य गायक का स्वर बहुत ऊँचाई तक पहुँच जाता है। जिसके कारण स्वर के टूटने का आभास होने लगता है और इसी कारण वह अपने कंठ से ध्वनि का विस्तार करने में कमज़ोर हो जाता है। तब संगतकार उसके पीछे मुख्य धुन को दोहराता चलता है वह अपनी आवाज़ से उसके बिखराव को सँभाल लेता है। इस प्रकार संगतकार मुख्य गायक को ढाढस बंधता है।

3 कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है?

उत्तर : कवि क्रांति लाने के लिए लोगों को उत्साहित करना चाहते हैं। बादलों में भीषण गति होती है उसी से वह संसार के ताप हरता

है। कवि ऐसी ही गति, ऐसी ही भावना और शक्ति चाहता है। बादल का गरजना लोगों के मन में उत्साह भर देता है। इसलिए कविता का शीर्षक उत्साह रखा गया है।

4 'छाया मत छूना' कविता में कवि ने छाया को छूने से मना क्यों किया हैं?

उत्तर : 'छाया मत छूना' कविता में छाया शब्द का प्रयोग सुखद अनुभूति के लिए किया है। कवि ने मानव की कामनाओं-लालसाओं के पीछे भागने की प्रवृत्ति को दुखदायी माना है। हम विगत स्मृतियों के सहारे नहीं जी सकते, हमें वर्तमान में जीना है। उन्हें छूकर याद करने से मन में दुख बढ जाता है।

प्र.13 'आप चैन कि नींद सो सके इसीलिए तो हम यहाँ पहरा दें रहा है' - एक फौजी के इस कथन पर जीवन-मूल्यों कि दृष्टि से चर्चा कीजिए। 4

उत्तर : फौजी का जीवन बड़ा ही कठिन होता है। फौजी कठिन से कठिन परिस्तिथि में अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। इस कर्तव्य पालन में कभी-कभी उन्हें अपनी जान भी कुर्बान करनी पड़ती है परंतु वे पीछे नहीं हटते क्योंकि एक फौजी के जीवन मूल्य अपने देश की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा ही होती है।

खंड - घ

प्र. 14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए : 10

ग्लो बल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण)

ग्लोबल वॉर्मिंग (भूमंडलीय ऊष्मीकरण) का अर्थ ग्लोबल वार्मिंग धरती के वातावरण के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ग्लोबल वॉर्मिंग पृथ्वी की निकटस्थ-सतह वायु और महासागर के औसत तापमान में 20वीं शताब्दी से हो रही वृद्धि और उसकी अनुमानित निरंतरता है। वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन

चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि धरती पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त परेशान है।

वायु मंडल में प्राकृतिक क्रियाओं के फलस्वरुप गैसों का संतुलन बना रहता है ; किंतु आज मनुष्य ने अपने कार्य-कलापों से वायुमंडल को असंतुलित का दिया है। मानव निर्मित इन गतिविधियों से कार्बन डायआक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन आक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है जिससे इन गैसों का आवरण सघन होता जा रहा है। यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है जिससे धरती के तापमान में वृद्धि हो रही है।

भूमंडलीय तापमान बढ़ने से हिम, नदियों और पहाड़ों की बर्फ़ तेजी से पिधल रही है। इससे महासागर का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लैशियरों की बर्फ के पिघलने से समुद्रों में पानी की मात्रा बढ़ जाएगी जिससे साल-दर-साल उनकी सतह में भी बढ़ोतरी होती जाएगी। समुद्रों की सतह बढ़ने से प्राकृतिक तटों का कटाव शुरू हो जाएगा जिससे एक बड़ा हिस्सा डूब जाएगा। मौसम चक्र में भी बदलसव आ रहा है। गरमी में अधिक गरमी तथा सरदी में अधिक सरदी पड़ रही है। बिना मौसम के बरसात तथा तूफ़ान आ रहे है।

ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए हम सब को एकजुट होकर इस दिशा में कदम बढ़ाने होगे। जंगलों की कटाई को रोकना होगा। हम सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने होगे। पेट्रोल, डीजल और बिजली का उपयोग कम करके हानिकारक गैसों को कम कर सकते हैं। धुआँ निकालने वाली मशीनों का प्रयोग बंद करना होगा।

मित्रता

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में हर व्यक्ति के अनेक संबंध होते हैं। परस्पर सहयोग से रहना मानव का स्वभाव है। उसका सही स्वभाव मित्रता को जन्म देता है।

मित्रता एक अनमोल धन है। आज के युग में युग में सच्चा मित्र पाना स्वर्ग को पा लेने के समान है। सच्चा मित्र वह होता है, जो हमें अच्छे व

बुरे का अहसास करवाए, साथ ही हमें कुमार्ग से सुमार्ग पर ले जाए। मित्रता में वह शक्ति है, जो बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान कर सकती है। मित्रता में मनुष्य एक-दूसरे का साथ देता है।

हर व्यक्ति को मित्र की आवश्यकता होती है। वह अपने दिल की हर बात निर्भयता से केवल अपने मित्र से कह सकता है। सच्चा मित्र अपने मित्र के सुख-दुख को अपना सुख-दुख मानता है।

रहीम जी ने कहा है -

"कह रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत
बिपत्ति-कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।।"

अंग्रेजी कहावत के अनुसार सच्चा मित्र वही है जो समय पर काम आए। कृष्ण-सुदामा की मित्रता नि:स्वार्थ एवं पवित्र थी। यह सच्ची मित्रता का अनुपम उदाहरण है।

हमें चाहिए कि जब भी किसी को अपना मित्र बनाए तो सोच-विचार कर बनाए क्योंकि जहाँ एक सच्चा मित्र आपका साथ दे आपको ऊँचाई तक पहुँचा सकता है। कपटी मित्र अपने स्वार्थ के लिए आपको पतन के रास्ते पर ले जाता है।

संत कबीर कहते हैं कि -

"कपटी मित्र न कीजिए, पेट पैठि बुधि लेत।
आगे राह दिखाय के, पीछे धक्का देति।।"

कपटी आदमी से मित्रता कभी न कीजिये क्योंकि वह पहले पेट में घुस कर सभी भेद जान लेता है और फिर आगे की राह दिखाकर पीछे से धक्का देता है।

'कबीर तहां न जाईय, जहां न चोखा चीत।
परपूटा औगुन घना, मुहड़े ऊपर मीत।'

ऐसे व्यक्ति या समूह के पास ही न जायें जिनमें निर्मल चित्त का अभाव हो। ऐसे व्यक्ति सामने मित्र बनते हैं पर पीठ पीछे अवगुणों का बखान कर बदनाम करते हैं।

प्र. 15 बीमारी के कारण परीक्षा न दे सकने पर प्रधानाचार्य को चिकित्सा-अवकाश के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए। 5

परीक्षा केंद्र
नई दिल्ली
दिनाँक : 1 फरवरी, 2016
विषय : चिकित्सा अवकाश के लिए आवेदन
प्रधानाचार्य महोदय
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विदयालय की दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। मुझे कल सायंकाल से बुखार हो गया है। डाक्टर ने वायरल ज्वर बताया है और दवा के साथ चार-पाँच दिन पूर्ण विश्राम करने की सलाह दी है। इस कारण मैं अगले सप्ताह होनेवाली त्रैमासिक परीक्षा नहीं दे पाऊँगा।
अत: आपसे प्रार्थना है कि मुझे 2 फरवरी से 6 फरवरी तक चिकित्सा - अवकाश प्रदान करें।
सधन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य
अजय

अथवा

रुपये मँगवाने के लिए पिताजी को पत्र लिखिए। 5

कमरा नं 221
छात्रावास
दिल्ली पब्लिक स्कूल
नई दिल्ली -110022
दिनाँक 3-05-2016
पूज्य पिता जी,
सादर प्रणाम।

आपका पत्र प्राप्त हुआ। सभी की कुशलता जानकर प्रसन्नता हुई। मैं मन लगाकर पढ़ाई कर रहा हूँ। अर्धवार्षिक परीक्षा में मुझे 90 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मैं वार्षिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करना चाहता हूँ। मुझे कुछ सहायक पुस्तकों की

आवश्यकता है तथा अगले महीने शुल्क भी जमा करना है। इस सबके लिए मुझे 3000 रुपये की आवश्यकता है। आप कृपया उक्त राशि भिजवा दें। मैं पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखता हूँ। दीदी व माताजी को प्रणाम। शेष कुशल।

आपका पुत्र,

अभिषेक

प्र. 16 निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए : 5

ठंड के किए प्रयोग किए जानेवाले गरम कपड़ों का विज्ञापन तैयार कीजिए।